



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 387] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 10, 1990/भाद्र 19, 1912  
No. 387] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 10, 1990/BHADRA 19, 1912

इस भाग में निम्नलिखित संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

(कम्पनी विधि बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1990

सा. का. नि. 768(अ)—दिनांक 5 सितम्बर, 1985 की अधिसूचना संख्या  
सा. का. नि. 724(अ) की अनुवृत्ति में, तथा भारत सरकार, विधि, व्याप और कम्पनी  
कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) की दिनांक 24 जून, 1975 की अधिसूचना संख्या

2430GI/90

(1)

सा. का. नि. 343(अ) के साथ पठित, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 294कक की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कम्पनी विधि बोर्ड की यह राय होने लगी कि नीचे वर्णित सामग्री के वर्गों के लिए, मांग इस प्रकार की सामग्री के उत्पादन अथवा सम्भरण से व्यापक रूप से अधिक है, तो एकमात्र विक्रेता अधिकृतियों की सेवाएं, इस प्रकार की सामग्री हेतु विपणन के सृजन के लिए आवश्यक नहीं होंगी, एतद्वारा घोषणा करता है कि इस अधिनियम के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पांच वर्षों की अवधि के लिए, इस प्रकार की सामग्रियों के विक्री हेतु, कम्पनी द्वारा एकमात्र विक्रेता अधिकृतियों की नियुक्ति नहीं की जाएगी।

1. चीनी
2. वनस्पति

[फा. सं. 11/3/90-सी. एल.-10]

वेद प्रकाश गुप्त, सदस्य, कम्पनी विधि बोर्ड

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

(Company Law Board)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 10th September, 1990

G.S.R. 768(E).—In continuation of notification No. G.S.R. 724(E) dated the 5th September, 1985 in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 294AA of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the notification of the Government of India, Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Company Affairs), No G.S.R. 343(E), dated the 24th June, 1975, the Company Law Board, being of the opinion that the demand for the categories of goods specified below is substantially in excess of the production or supply of such goods and that the services of the sole selling agents, will not be necessary to create a market for such goods, hereby declares that sole selling agents shall not be appointed by a company for the sale of such goods for a further period of five years from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

1. Sugar
2. Vanaspati

[F. No. 11/3/90-CL.A.]

V. P. GUPTA, Member, Company Law Board.